



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
(EXTRAORDINARY)

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 259]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 22, 1982/आषा 1, 1904

No. 259]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 22, 1982/ASADHA 1, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 22 जून, 1982

का०आ० 437(अ).—18कक आई०डी०आर०ए० 82—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 825(अ) 18कक आई०डी०आर०ए० 76, तारीख 23 दिसम्बर, 1976 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन भैसर्स कावेरी स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल्स लिमिटेड पुडुकोट्टाई नामक संपूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 23 दिसम्बर, 1976 से पाँच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण कर लिया गया था और उक्त संपूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए तमिलनाडु टैक्सटाइल कारपोरेशन को प्राधिकृत किया गया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 906(अ) 18कक आई०डी०आर०ए० 81, तारीख 22 दिसम्बर, 1981 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 22 जून, 1982 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छह मास की और अवधि के लिए बढ़ा दी गई थी,

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में ऐसा करना समीचीन है कि उक्त आदेश 30 सितम्बर, 1982 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहना चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 30 सितम्बर, 1982 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छः मास की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[का०सं० 3(9)/81-सी यू एस]

आर०के० भार्गव, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 22nd June, 1982

S.O. 437(E).—18AA/IDRA/82—Whereas by the Order the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 825(E)/18AA/IDRA/76, dated the 23rd December, 1976 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole

of the industrial undertaking known as Messrs. Cauvery Spinning and Weaving Mills Limited, Pudukkottai, was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years from the 23rd December, 1976, and the Tamil Nadu Textile Corporation was authorised to take over the management of the whole of the said industrial undertaking;

And whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) S.O. 906(E)/18AA/IDRA/81, dated the 22nd December, 1981, the period of the said Order was extended for a further period of six months upto and inclusive of the 22nd June, 1982;

And, whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 30th September, 1982.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries Development and Regulation Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 30th September, 1982.

[File No. 3(9)/81 Cus.]

R. K. BHARGAVA, Jt. Secy.